

प्रेषक,

बी०एम०मि०,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,  
सहकारी समितियाँ,  
उत्तराखण्ड अल्मोड़ा।

सहकारिता,मान्य एवं चीनी अनुभाग-1  
विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 में सहकारिता विभाग के अन्तर्गत "सामान्य अधिष्ठान एवं अधीक्षण" की  
दिनांक 10 अप्रैल 2017  
विभिन्न मदों हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के आदेश संख्या-312/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 31 मार्च, 2017 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चारू वित्तीय वर्ष 2017-18 में लेखानुदान द्वारा सहकारिता विभाग के अन्तर्गत "सामान्य अधिष्ठान एवं अधीक्षण" की विभिन्न मदों के अधीन स्वीकृत धनराशि रु० 10,16,61,000.00(दस करोड़ सोलह लाख इकसठ हजार मात्र) के व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है-

(1) बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जायेगा। मानक मद-01-वेतन-03-महगाई भत्ता-06-अन्य भत्ते से पुनर्विनियोग पूर्णतः वर्जित है।

(2) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट में अनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य संक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी।

(3) बजट में अनुअल में निर्धारित प्रकिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में ठीक पूर्व माह की सूचना बी०एम०-5 प्रपत्र पर आहरण एवं वितरण अधिकारी प्रत्येक माह की 5 तारीख तक विभागाध्यक्ष को तथा विभागाध्यक्ष द्वारा बी०एम०-13 प्रपत्र पर उक्त सूचना 10 तारीख तक वित्त विभाग एवं शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाय तथा बजट में अनुअल के विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से शासन तथा महालेखाकार कार्यालय को समय से सूचना भेजना

(2)

- (6) वचनबद्ध मदों का व्यय मासिक आधार पर किरतों में किया जायेगा। आउटसोर्सिंग से नियुक्त कार्मिकों की सख्या सम्बन्धित ईकाई में सक्षम स्तर के स्वीकृत पदों की अधिकतम सीमान्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा जो भी कम हो, के अन्तर्गत रहेगी।
- (7) अवचनबद्ध मदों के सम्बन्ध में प्रत्येक दशा व प्रकरण में भित्तव्ययता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रत्येक मद के सम्बन्ध में भित्तव्ययता हेतु स्पष्ट कार्ययोजना बना ली जायेगी और तदनुसार प्रत्येक मद के सम्बन्ध में वयत सुनिश्चित की जायेगी।
- (8) आहरण वितरण अधिकारी अपने स्तर से फौट कर फौल्ट स्तर पर बजट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा सम्भावित व्यय की फौजिंग की सूचना शासन तथा वित्त विभाग को उपलब्ध करायी जायेगी।
2. उक्त व्यय वार्षिक वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान सख्या-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2425-सहकारिता-001-निर्देशन तथा प्रशासन, 03-सामान्य अधिष्ठान एवं अधीक्षण की निम्नलिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

(बनसारी हजार रुपये में)

मानक मद	मानक मद का नाम	लेखानुदान द्वारा (01अप्रैल,2017 से 31 जुलाई,2017) तक बजट प्राविधान	वित्तीय वर्ष 2017-18 (01अप्रैल,2017 से 31 जुलाई,2017) हेतु स्वीकृत धनसारी
1	2	3	4
01	वेतन	90000	90000
02	भ्रजदूरी	10	10
03	महंगाई भत्ता	5256	5256
04	यात्रा भत्ता	333	333
05	स्थानान्तरण यात्रा भत्ता	200	200
06	अन्य भत्ते	4089	4089
07	मानदेय	02	02
08	कार्यालय व्यय	100	100
09	विद्युत देय	83	83
10	अलकर/जल प्रभार	08	08
11	लेखन सामग्री और फार्मा की छपाई	100	100
12	कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	33	33

45	अवकाश यात्रा व्यय	08	08
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय	50	50
47	कम्प्यूटर अनुश्रवण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का कय	183	183
	योग-	101661	101661

(कृपये दस करोड सोलह लाख इकसठ हजार मात्र)

3. ये आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सख्या-312/3(150)XXVII(1)/2017 दिनांक 31 मार्च, 2017 द्वारा जारी दिशानिर्देशों के कम में जारी किये जा रहे हैं।

सलमक-आई0डी0 मूल में।

भवदीय,

(दीनराम0मिश्र)  
अपर सचिव।

सख्या-318(1)/XIV-1/2017, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यावाही हेतु प्रेषित-

1. महारेल्याकार, लेखा एवं हकदारी, ओवरसैय बिलडिंग, माजरा, देहसादून, उत्तराखण्ड।
2. वित्त-4/नियोजन/भाषा अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, अल्मोडा/देहसादून उत्तराखण्ड।
4. बजट निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहसादून।
5. उप निबंधक, सहकारी समिति, उत्तराखण्ड, अल्मोडा (मुख्यालय)।
6. प्रमारी निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहसादून।
7. प्रमारी मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहसादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अरुण कुमार)  
अनुसचिव